



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 319] नई दिल्ली, बुधवार, मई 29, 1991/ज्येष्ठ 8, 1913
No. 319] NEW DELHI, WEDNESDAY, MAY 29, 1991/JYAISTHA 8, 1913

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

संचार मंत्रालय

(डाक विभाग)

अधिमूचना

नई दिल्ली, 29 मई, 1991

का.आ. 360(अ).—भारतीय डाकघर अधिनियम, 1898 (1898 का VI) की
धारा 21(3) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करने हुए महानिदेशक पत्रद्वारा निम्न-
लिखित आदेश देते हैं, अर्थात् :—

आदेश

1. इस आदेश को डाक वितरण आदेश, 1991 कहा जाएगा और यह आदेश निम्नलिखित प्रकार की अप्रंजीकृत डाक के वितरण पर लागू होगा।

2. इस आदेश के तहत निम्नलिखित प्रकार की अप्रंजीकृत डाक : (क) पत्र डाक, अर्थात् लिफाफा अनर्देशीय पत्र कार्ड, पोस्टकार्ड और एयरग्राम (ख) पुरतक, पेटर्न और नमनपैकेट, (ग) पावती कार्ड, और (घ) प्रंजीकृत समाचार पत्र, डाकिया या वितरण एजेंट द्वारा प्राप्तकर्ता के पते पर केवल एकमंजिली इमारतों और बहुमंजिली इमारतों के भूतल पर वितरित की जाएगी।

3. उपर्युक्त पैरा 2 में विनिर्दिष्ट प्राप्तकर्ता को छोड़कर अन्य प्राप्तकर्ता इस आदेश के लागू होने से पहले बिल्डिंग के भूतल पर एक डाक बक्स की व्यवस्था करेंगे जिस पर ऐसी जगह पता लिखा होगा जो डाकघर को स्वीकार्य हो और उसमें डाक डाकिए या वितरण एजेंट के द्वारा डाली जाएगी।

4. एक ही पते पर रहने वाला प्रत्येक व्यक्ति अलग-अलग डाक बक्स की व्यवस्था करेगा जिस पर नाम और पता लिखा होगा तथा दो या दो से अधिक प्राप्तकर्ता एवं सामूहिक बक्स रख सकते हैं जिस पर उनका पता लिखा होगा किन्तु किसी व्यक्ति के पास एक पते के लिए एक से अधिक डाक बक्स नहीं होगा।

5. डाकघर को यह अधिकार होगा कि वह डाक बक्स का परिमाण और अन्य विशेषताएं निर्धारित करे और यदि आवश्यक समझे तो केवल विशेष प्रकार के डाक बक्स का प्रयोग ही निर्धारित करे।

6. डाकघर ऐसी डाक का वितरण जिसका आकार जैसा हो कि उसके डाक बक्स के द्वारा प्रेषण की कोई गुंजाइश नहीं हो जैसे पार्सल जिसका भुगतान न किया गया हो या अपर्याप्त भुगतान किया गया हो किसी प्रकार की डाक का डाकिए या वितरण एजेंट द्वारा पते पर वितरण कर सकता है।

7. यह आदेश उस डाक पर लागू नहीं होगा जिसे प्राप्त करने पर प्राप्तकर्ता को पावती देनी होती है, किन्तु उससे संबंधित सूचनाएं डाक बक्स द्वारा प्रेषित की जा सकती हैं।

8. यह आदेश 1 नवम्बर, 1991 से लागू होगा किन्तु पोस्टमास्टर जनरल को यह अधिकार होगा कि यह उस तिथि के बाद भी अपने क्षेत्राधिकार में आने वाले किसी भी भी स्टेशन या स्टेशनों पर पहले की तरह डाकिंग या वितरण एजेंट के द्वारा डाक का वितरण जारी रखे।

[सं. 29-1/89-सी.आई.]

सी.जे. माथ्यु, उप महानिदेशक (पी ओ)

MINISTRY OF COMMUNICATIONS

(Department of Post)

NOTIFICATION

New Delhi, the 29th May, 1991

S.O. 360(E).—In exercise of the powers conferred by Section 21(3) of the Indian Post Office Act, 1898 (VI of 1898), the Director General hereby makes the following Order, namely :—

ORDER

1. This order may be called the Delivery of Mail Order, 1991 and shall apply to delivery of unregistered mail of the classes specified hereunder.

2. Under this Order, unregistered mail of the following classes: (a) Letter mail, namely; envelopes, inland letter cards, postcards and aerogrammes (b) Book, pattern and sample packets, (c) Acknowledgement cards and (d) Registered newspapers, shall be delivered by the postman or Delivery Agent at the address of the addressee, only in single-storeyed buildings and on the ground floor of storeyed buildings.

3. Addressees other than those mentioned in para 2 above shall provide, before this Order takes effect, a Mail Box on the ground floor of the building, in which the address is located at a place acceptable to the Post Office with the address superscribed thereon, into which such mail shall be delivered by postman or Delivery Agent.

4. Persons at the same address may provide a separate Mail Box for each with the name and address superscribed thereon, and two or more addressees may have a common Box, with their address superscribed thereon but no person shall have more than one Box for one address.

5. It shall be open to the Post Office to prescribe the dimensions and other features of Mail Box, and, if deemed necessary to authorise use of only specified manufactures of Mail Box.

6. Post Office may deliver such mail, of sizes that do not admit of delivery through Mail Box, parcels and unpaid or insufficiently paid mail of all classes at the address through the postman or Delivery Agent.

7. This Order does not extend to mail for which the addressee is required to give a receipt on delivery, but intimations relating thereto may be delivered through Mail Box.

8. This Order shall take effect on November 1, 1991, but it shall be open to the Postmaster General to authorise continuance of delivery through postman or Delivery Agent, as before, at any station or stations in his jurisdiction after that date also.

[No. 29-1/89-CI]

C.J. MATHEW, Dy. Dir. General (PO)